

बीएचयू के प्रो. सिद्धार्थ को राष्ट्रपति का स्नेह भोज का आमंत्रण SL



प्रो. सिद्धार्थ।

वाराणसी। बीएचयू में पालि एवं बौद्ध अध्ययन के वरिष्ठ प्रोफेसर व नव नालंदा महाविहार के नवनियुक्त कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन के स्नेह भोज में शिरकत करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से उन्हें आमंत्रित किया गया है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड के बाद राष्ट्रपति भवन में इस स्नेह भोज का आयोजन किया जाएगा।

इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरा मंत्रिमंडल और हर दल के नेता होंगे।

इस भव्य आयोजन में देश के कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों के कुलपति, विद्वान और शिक्षाविद भी शामिल होंगे। प्रो. सिद्धार्थ सिंह को ये न्योता भारतीय डाक सेवा के विशेष प्रतिनिधि ने व्यक्तिगत रूप से लाकर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू और भारतीय डाक सेवा के प्रति आभार व्यक्त किया। भारत सरकार की ओर से पिछले साल 22 अक्टूबर को प्रो. सिद्धार्थ सिंह को नव नालंदा महाविहार का कुलपति नियुक्त किया गया था। ब्यूरो

प्रो. सिद्धार्थ को राष्ट्रपति भवन से निमंत्रण

वाराणसी। बीएचयू में पालि एवं बौद्ध अध्ययन के वरिष्ठ प्रोफेसर और संस्कृति मंत्रालय के नव नालंदा महाविहार के कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह को गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले रिसेप्शन के लिए निमंत्रण मिला है। देश के कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, विद्वानों एवं शिक्षाविदों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। प्रो. सिंह ने इसके लिए राष्ट्रपति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

बीएचयू के प्रो. सिद्धार्थ 'एट होम रिसेप्शन' में लेंगे भाग⁴



मिला न्योता

गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के लिए राष्ट्रपति भवन से मिला आमंत्रण

वाराणसी। बीएचयू में पालि एवं बौद्ध अध्ययन के वरिष्ठ प्रोफेसर और नव नालंदा महाविहार के कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह गणतंत्र दिवस के एट होम रिसेप्शन में शिरकत करेंगे। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें आमंत्रण पत्र भेजकर आमंत्रित किया है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड के

बाद ये कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन में होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरा मंत्रिमंडल और हर दल के नेता शामिल होंगे। इस बार देश के कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, विद्वानों और शिक्षाविदों को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। कुलपति प्रो. सिंह ने भारतीय डाक सेवा की विशेष प्रतिनिधि द्वारा व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण पत्र भेजने के लिए भारतीय डाक सेवा के प्रति भी आभार व्यक्त किया। नव नालंदा महाविहार के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी गण इस आमंत्रण से अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर प्रो. सिद्धार्थ सिंह राष्ट्रपति भवन आमंत्रित²

वाराणसी। बीएचयू में पालि एवं बौद्ध अध्ययन के वरिष्ठ प्रोफेसर तथा वर्तमान में नव नालंदा महाविहार, सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार के कुलपति



प्रोफेसर सिद्धार्थ सिंह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन में एट होम (रिसेप्शन) में आमंत्रित किया गया है। इस आमंत्रण के लिए कुलपति ने राष्ट्रपति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। देश के कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, विद्वानों एवं शिक्षाविदों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

बीएचयू : नेट पास अभ्यर्थियों को पीएचडी में मिले इंटरव्यू का मौका ⁵²

कार्यवाहक कुलपति से हुई वार्ता के बाद छात्रों ने रखीं चार प्रमुख मांगें

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में नई पीएचडी नियमावली और निलंबन वापसी को लेकर कार्यवाहक कुलपति और छात्रों के बीच वार्ता हुई। छात्रों ने मांग रखी है कि एक सीट पर 10 की जगह नेट परीक्षा में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए कॉल किया जाए। दिसंबर 2023 में भी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मौका दिया जाए।

बुधवार को बीएचयू के केंद्रीय कार्यालय में कार्यवाहक कुलपति प्रो. संजय कुमार से छात्रों ने मुलाकात की। मांगों पर विचार कर उसे अमल में लाने के लिए सात दिन का समय लिया है। वार्ता में शामिल कुलसचिव, परीक्षा नियंता, छात्र अधिष्ठाता और चीफ प्रॉक्टर



बीएचयू में ज्ञापन सौंपते विद्यार्थी संवाद

2023 दिसंबर में नेट पास अभ्यर्थियों को भी शामिल करने की मांग उठाई

ने कहा कि छात्रों की समस्या का सकारात्मक हल निकाला जाएगा। छात्रों के निलंबन पर भी गंभीरता से

चर्चा हुई।

बैठक के बाद छात्रों ने छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा को ज्ञापन देकर धरना समाप्त करने की घोषणा की। कहा कि यदि सात दिन में मांगें नहीं मानी गईं तो फिरसे आंदोलन को बाध्य होंगे।

छात्रों की ये हैं मांगें

■ साक्षात्कार के लिए एक सीट पर 10 की जगह तीनों श्रेणियों (जेआरएफ, नेट और क्वालिफाइड फॉर पीएचडी) में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को बुलाया जाए।

■ दिसंबर 2023 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया जाए। क्योंकि, उस सत्र में यूजीसी नेट की परीक्षा में पास अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में एक भी अवसर प्राप्त नहीं हुआ।

■ प्रवेश प्रक्रिया में आरईटी कैटेगरी के लिए 70-30 की जगह 50-50 का पैमाना तय किया जाए। नेट परसेंटाइल का 50% वेटेज लिया जाए और इंटरव्यू के लिए 50 अंक तय किए जाएं।

■ पहले की ही तरह दो बार पीएचडी प्रवेश की व्यवस्था की जाए।

बीएचयू में पीएचडी प्रवेश नियमावली के लिए जारी धरना स्थगित, तीन घंटे चली बातचीत

कुलपति के हस्तक्षेप पर गतिरोध खत्म, सात दिन में निकलेगी राह

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। पीएचडी प्रवेश नियमावली पर छात्रों और बीएचयू प्रशासन के बीच जारी गतिरोध बुधवार को प्रभारी कुलपति के हस्तक्षेप के बाद टूटा। प्रभारी कुलपति प्रो. संजय कुमार ने कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, छात्र अधिष्ठाता और चीफ प्रॉक्टर की मौजूदगी में छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन घंटे तक बातचीत की। कई मुद्दों पर सहमति के बाद सात दिन में मांगों पर निर्णय लेने के आश्वासन पर छात्र तैयार हो गए। छात्र अधिष्ठाता ने धरनास्थल पर जाकर छात्रों का मांगपत्र लिया और धरना खत्म कराया।

बीएचयू में पीएचडी प्रवेश नियमावली को लेकर पिछले छह दिनों से छात्र धरने पर बैठे हुए हैं। छात्रों की मांग पर दो दिन पहले बीएचयू ने एक सीट पर बुलाए जाने वाले आवेदकों की संख्या पांच से बढ़ाकर दस कर दी। हालांकि छात्र इसके बाद भी नहीं माने और धरना जारी रहा। बुधवार को प्रभारी कुलपति प्रो. संजय कुमार ने छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए बुलाया। विज्ञान संस्थान के निदेशक कार्यालय स्थित सभागार में छात्र विकास



बीएचयू में प्रभारी कुलपति से वार्ता के बाद छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा ने धरनास्थल पर जाकर छात्रों से मांग पत्र लिया और उनका धरना समाप्त कराया।

राज, विवेकानंद, दिव्यांशु दुबे, शुभम शुक्ला और अभिजीत कुमार के साथ लगभग तीन घंटे बातचीत चली। इस दौरान प्रशासन की तरफ से कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रता प्रो. सुषमा धिल्लियाल, छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा और चीफ प्रॉक्टर प्रो. शिवप्रकाश सिंह भी मौजूद थे। छात्रों ने पीएचडी नियमावली, छात्रों के निलंबन और निष्कासन के साथ द्वेषपूर्ण कार्रवाई के मुद्दे उठाए। छात्रों की मानें तो बीएचयू प्रशासन की तरफ से सात दिनों में उनकी

मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया है। प्रभारी कुलपति ने व्यक्तिगत रूप से छात्रों से कहा कि वे छात्रों के विभिन्न मांगों पर स्वयं चिंतित हैं इसलिए छात्र धरना समाप्त कर दें।

बैठक के बाद छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा धरना स्थल पर पहुंचे और छात्रों का मांगपत्र लिया। इसके बाद छात्रों ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। छात्र विवेकानंद ने कहा कि कुलपति के हस्तक्षेप के बाद छात्र प्रदर्शन समाप्त कर रहे हैं। मांगें नहीं मानी गईं तो

छात्रों ने ये मांगें रखीं

- साक्षात्कार के लिए एक सीट पर 10 की जगह तीनो श्रेणियों (जेआरएफ, नेट और क्वालिफाइड फॉर पीएचडी) में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में शामिल होने का मौका दिया जाए।
- दिसम्बर-2023 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया जाए क्योंकि उस सत्र में यूजीसी नेट की परीक्षा पास अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में अवसर प्राप्त नहीं हुआ है।
- प्रवेश प्रक्रिया में रेट कैटेगरी के लिए 70-80 की जगह 50-50 का पैमाना तैयार किया जाए।
- पूर्व की भांति वर्ष में दो बार पीएचडी प्रवेश की व्यवस्था की जाए।
- छात्रों के खिलाफ द्वेषपूर्ण कार्रवाई और निलंबन वापस लिया जाए।

छात्र पुनः आंदोलन को बाध्य होंगे। छात्र विकास राज ने कहा कि विश्वविद्यालय ने छात्रों की मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करने का आश्वासन दिया है।

बीएचयू में पीएचडी प्रवेश नियमावली के लिए जारी धरना स्थगित, तीन घंटे चली बातचीत

कुलपति के हस्तक्षेप पर गतिरोध⁴ खत्म, सात दिन में निकलेगी राह

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। पीएचडी प्रवेश नियमावली पर छात्रों और बीएचयू प्रशासन के बीच जारी गतिरोध बुधवार को प्रभारी कुलपति के हस्तक्षेप के बाद टूटा। प्रभारी कुलपति प्रो. संजय कुमार ने कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, छात्र अधिष्ठाता और चीफ प्रॉक्टर की मौजूदगी में छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन घंटे तक बातचीत की। कई मुद्दों पर सहमति के बाद सात दिन में मांगों पर निर्णय लेने के आश्वासन पर छात्र तैयार हो गए। छात्र अधिष्ठाता ने धरनास्थल पर जाकर छात्रों का मांगपत्र लिया और धरना खत्म कराया।

बीएचयू में पीएचडी प्रवेश नियमावली को लेकर पिछले छह दिनों से छात्र धरने पर बैठे हुए हैं। छात्रों की मांग पर दो दिन पहले बीएचयू ने एक सीट पर बुलाए जाने वाले आवेदकों की संख्या पांच से बढ़ाकर दस कर दी। हालांकि छात्र इसके बाद भी नहीं माने और धरना जारी रहा। बुधवार को प्रभारी कुलपति प्रो. संजय कुमार ने छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए बुलाया। विज्ञान संस्थान के निदेशक कार्यालय स्थित सभागार में छात्र विकास



बीएचयू में प्रभारी कुलपति से वार्ता के बाद छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा ने धरनास्थल पर जाकर छात्रों से मांग पत्र लिया और उनका धरना समाप्त कराया।

राज, विवेकानंद, दिव्यांशु दुबे, शुभम शुक्ला और अभिजीत कुमार के साथ लगभग तीन घंटे बातचीत चली। इस दौरान प्रशासन की तरफ से कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुषमा घिलिडयाल, छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा और चीफ प्रॉक्टर प्रो. शिवप्रकाश सिंह भी मौजूद थे। छात्रों ने पीएचडी नियमावली, छात्रों के निलंबन और निष्कासन के साथ द्वेषपूर्ण कार्रवाई के मुद्दे उठाए। छात्रों की मानें तो बीएचयू प्रशासन की तरफ से सात दिनों में उनकी

मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया है। प्रभारी कुलपति ने व्यक्तिगत रूप से छात्रों से कहा कि वे छात्रों के विभिन्न मांगों पर स्वयं चिंतित हैं इसलिए छात्र धरना समाप्त कर दें।

बैठक के बाद छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा धरना स्थल पर पहुंचे और छात्रों का मांगपत्र लिया। इसके बाद छात्रों ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। छात्र विवेकानंद ने कहा कि कुलपति के हस्तक्षेप के बाद छात्र प्रदर्शन समाप्त कर रहे हैं। मांगें नहीं मानी गईं तो

छात्रों ने ये मांगें रखीं

- साक्षात्कार के लिए एक सीट पर 10 की जगह तीनो श्रेणियों (जेआरएफ, नेट और क्वालिफाइड फॉर पीएचडी) में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में शामिल होने का मौका दिया जाए।
- दिसम्बर-2023 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया जाए क्योंकि उस सत्र में यूजीसी नेट की परीक्षा पास अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में अवसर प्राप्त नहीं हुआ है।
- प्रवेश प्रक्रिया में रेट केटेगरी के लिए 70-30 की जगह 50-50 का पैमाना तैयार किया जाए।
- पूर्व की भांति वर्ष में दो बार पीएचडी प्रवेश की व्यवस्था की जाए।
- छात्रों के खिलाफ द्वेषपूर्ण कार्रवाई और निलंबन वापस लिया जाए।

छात्र पुनः आंदोलन को बाध्य होंगे। छात्र विकास राज ने कहा कि विश्वविद्यालय ने छात्रों की मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करने का आश्वासन दिया है।

नेट में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को मिले बीएचयू में पीएचडी इंटरव्यू का मौका³

वाराणसी। बीएचयू में नई पीएचडी नियमावली और निलंबन वापसी को लेकर कार्यवाहक कुलपति और छात्रों के बीच वार्ता हुई। छात्रों ने मांग रखी है कि एक सीट पर 10 की जगह नेट परीक्षा में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए कॉल किया जाए। दिसंबर 2023 में भी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मौका दिया जाए।

बुधवार को बीएचयू के केंद्रीय कार्यालय में कार्यवाहक कुलपति प्रो. संजय कुमार से छात्रों ने मुलाकात की। मांगों पर विचार कर उसे अमल में लाने के लिए सात दिन का समय लिया है। वार्ता में शामिल कुलसचिव, परीक्षा नियंता, छात्र अधिष्ठाता और चीफ प्रॉक्टर ने कहा कि छात्रों की समस्या का सकारात्मक हल निकाला जाएगा।



वाराणसी में बुधवार को बीएचयू कुलपति के हस्तक्षेप के बाद ज्ञापन सौंप कर धरना प्रदर्शन समाप्त करते छात्र।

छात्रों की ये हैं मांगें

1- साक्षात्कार के लिए एक सीट पर 10 की जगह तीनों श्रेणियों (जेआरएफ, नेट और क्वालिफाइड फॉर पीएचडी) में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को बुलाया जाए।

2- दिसंबर 2023 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया जाए। क्योंकि, उस सत्र में यूजीसी नेट की परीक्षा में पास अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में एक भी अवसर प्राप्त नहीं हुआ।

3- प्रवेश प्रक्रिया में आरईटी कैटेगरी के लिए 70-30 की जगह 50-50 का पैमाना तय किया जाए। नेट परसेंटाइल का 50% वेटेज लिया जाए और इंटरव्यू के लिए 50 अंक तय किए जाएं।

पीएचडी नियमावली के विरोध में छात्रों का धरना समाप्त⁴

वाराणसी : बीएचयू के प्रभारी कुलपति प्रो. संजय कुमार के हस्तक्षेप के बाद बुधवार को छात्रों का धरना समाप्त हो गया। पीएचडी नियमावली के विरोध में छात्र केंद्रीय कार्यालय पर छह दिन से धरना दे रहे थे, वह अनिश्चितकालीन प्रदर्शन कर रहे थे। छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंता, छात्र अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय की डीन व चीफ प्राक्टर के साथ मुलाकात की। बैठक में मंत्रणा करने के बाद धरना समाप्त करने का निर्णय लिया। मांगों पर सकारात्मक हल का आश्वासन मिला है। (जास)

एचआर प्रबंधन सीखेंगे एमबीए-आइबी के विद्यार्थी TV

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू में प्रबंध शास्त्र अध्ययन संस्थान में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से एमबीए-आइबी (मास्टर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन : इंटरनेशनल बिजनेस) के विद्यार्थी पहली बार 'मानव संसाधन प्रबंधन' की भी पढ़ाई करेंगे। आइबी में ह्यूमन रिसोर्सेज की विशेषज्ञता शुरू की गई है। दूसरे वर्ष से छात्र इसे पढ़ना शुरू करेंगे, हालांकि प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में एचआर की सामान्य जानकारी भी दी जाएगी ताकि अगले सेमेस्टर में विद्यार्थियों को कोई दिक्कत नहीं हो। इस कोर्स की 118 सीटों के लिए चार हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। 18 जनवरी तक आवेदन स्वीकार किया जाएगा।

दोनों कोर्सेज (दो वर्षीय) में शत प्रतिशत प्लेसमेंट होता है। पिछले कुछ वर्षों से कंपनियां एमबीए-आइबी पाठ्यक्रम में मानव संसाधन प्रबंधन को जोड़ने की बात कह रहे थे, इसको देखते हुए यह कदम उठाया गया है। मार्च में अभ्यर्थियों की समूह चर्चा होगी। व्यक्तिगत साक्षात्कार भी होगा।

एमबीए और एमबीए-आइबी के लिए पाठ्यक्रम कारपोरेट जगत की

• दो पाठ्यक्रमों के लिए आए चार हजार आवेदन, दाखिले की प्रक्रिया अंतिम दौर में

शैक्षणिक बैच 2025-27 के लिए बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के पाठ्यक्रम

• 59 सीटें : मास्टर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)

• कोर्स स्वरूप : विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त, संचालन प्रबंधन व सूचना प्रौद्योगिकी

• 59 सीटें : मास्टर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन : इंटरनेशनल बिजनेस (एमबीए-आइबी)

• कोर्स स्वरूप : विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त, संचालन प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी व वैश्विक व्यापार संचालन।

• मार्च में होगा अभ्यर्थियों के साथ समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार भी होगा चयन का आधार



पात्रता : एमबीए और एमबीए-आइबी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए के माध्यम से होगा। एससी व एसटी के अलावा अन्य श्रेणियों के उम्मीदवारों ने योग्यता परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों जबकि एससी-एसटी उम्मीदवारों के लिए कम से कम 45 प्रतिशत अंक आवश्यक होगा। स्नातक या इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, कृषि, चिकित्सा, शिक्षा या कानून में डिग्री आवश्यक।

शुल्क संरचना

सेमेस्टर	शुल्क
प्रथम	47882 रुपये
द्वितीय,	2125 रुपये
तृतीय	47182 रुपये
चतुर्थ	2125 रुपये
छात्रावास शुल्क	5500 प्रतिवर्ष
आवेदन शुल्क	2000 रुपये

मार्च के अंत तक एमबीए व एमबीए-आइबी का प्रवेश



परिणाम जारी कर दिया जाएगा। अभ्यर्थी को फीस जमा करने के लिए पत्र लिखा जाएगा। दो

वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश शुल्क जमा करने की अवधि तय की जाएगी। कोर्स के लिए जुलाई से कक्षाएं शुरू होंगी। - प्रो. आशीष बाजपेई, निदेशक, प्रबंध शास्त्र अध्ययन संस्थान, बीएचयू।

जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। उद्योग-प्रायोजित लाइव प्रोजेक्ट्स पर जोर देने के साथ व्याख्यान, सेमिनार, रोल-प्ले, सिम्युलेटेड गेम, ग्रुप असाइनमेंट,

वीडियो सत्र, मल्टीमीडिया प्रस्तुतियां, प्रयोगशाला अभ्यास, केस विश्लेषण और व्यावसायिक खेलों के माध्यम से सीखने को इंटरैक्टिव बनाया जाता है। सैद्धांतिक समझ के बजाय

अवधारणाओं के अनुप्रयोगों को सीखने पर जोर दिया जाता है। गतिशील व्यावसायिक वातावरण को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम को हर दूसरे वर्ष अपग्रेड किया जाता है।

प्रबंध शास्त्र संस्थान में आयोजित हुई कपड़ा वितरण ड्राइव

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

बीएचयू के प्रबंधन अध्ययन संस्थान में सामाजिक क्लब सेवार्थ द्वारा कपड़ा वितरण ड्राइव का आयोजन बुधवार को किया गया। प्रबंध शास्त्र संस्थान के छात्रों ने बनारस के असहाय लोगों को गरम कपड़े एवं कंबल वितरित किए। ड्राइव का नेतृत्व प्रबंध शास्त्र संकाय के निदेशक प्रो. आशीष बाजपाई एवं प्रमुख प्रो. एस के दुबे द्वारा किया गया। सीर गेट, धनराजगिरि छात्रावास आदि जगहों पर कपड़े वितरित किए गए।



सुजाता शर्मा, आदित्य राज भारती, हेमंत जायसवाल, रुद्रा, ध्रुव रघुवंशी, अनिकेत, स्वस्तिक, अंकिता, प्रियंका, आस्था, अमनदीप, सुमन, अपर्णा, शिवम, अभिषेक, हर्ष श्रीवास्तव, अभिजीत राय का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर संस्थान की छात्र सलाहकार, डॉ. शशि श्रीवास्तव एवं गैर शिक्षण

इस वर्ष सेवार्थ क्लब के सदस्यों निशांत कुमार, कर्मचारियों का भी योगदान रहा।

कपड़ा वितरण अभियान

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के प्रबंधन अध्ययन संस्थान में सामाजिक क्लब सेवार्थ की तरफ से बुधवार को कपड़ा वितरण अभियान चलाया गया। छात्रों ने असहाय लोगों को गरम कपड़े एवं कंबल वितरित किए। निदेशक प्रो. आशीष बाजपाई व संकाय प्रमुख प्रो. एसके दुबे के निर्देशन में सीरगेट व धनराज गिरि छात्रावास पर कपड़े वितरित कराए गए। निशांत, सुजाता शर्मा, आदित्य राज भारती, हेमंत जायसवाल, रुद्रा आदि रहे।

‘मानसिक आघात से बचाव’ के विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

वाराणसी। बीएचयू के कल्याणकारी सेवा प्रकोष्ठ द्वारा मनोविज्ञान के छात्रों के लिए



‘मनोसामाजिक-शारीरिक तकनीकों के माध्यम से ‘मानसिक आघात से बचाव’ विषय पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का संचालन

साइकोलॉजिकल काउंसलर और एसआरके फेलो ने किया। इस सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों को ट्रॉमा से उबरने की प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और शारीरिक तकनीकों के महत्व को समझाना था जिससे प्रभावित व्यक्तियों में समग्र उपचार और मानसिक मजबूती विकसित हो सके। अरब अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ फिलिस्तीन के मनोवैज्ञानिक डॉ. वेल एमएफ अबुहसन ने प्रतिभागियों को ट्रॉमा रिलीज एक्सरसाइज की उपयोगिता सिखाई। इस सत्र में 44 मनोविज्ञान के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी छात्रों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और प्रभावशाली अनुभव बताते हुए उत्कृष्ट प्रतिक्रिया दी।

5

मानसिक आघात से बचाव के बताए उपाय IV.

जासं, वाराणसी : बीएचयू के कल्याणकारी सेवा प्रकोष्ठ की तरफ से मनोविज्ञान के छात्रों के लिए मनोसामाजिक-शारीरिक तकनीकों से ‘मानसिक आघात से बचाव’ विषय पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित हुआ। सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों को ट्रॉमा से उबरने की प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक, सामाजिक व शारीरिक तकनीकों के

महत्व को समझाना था, जिससे प्रभावित व्यक्तियों में समग्र उपचार और मानसिक मजबूती विकसित हो सके। अरब अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ फिलिस्तीन के स्वास्थ्य, सामाजिक और शैक्षिक विज्ञान विभाग के नैदानिक स्वास्थ्य मनोवैज्ञानिक डा. वेल एमएफ अबुहसन ने जरूरी जानकारी दी।

चोरी के मामले में बीएचयू की छात्रा को कोर्ट ने दी जमानत



अदालत से

वाराणसी। बीएचयू सेंट्रल लाइब्रेरी से लैपटॉप, मोबाइल व पर्स आदि सामान चोरी व बरामदगी मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (तृतीय) नीरज कुमार त्रिपाठी की अदालत ने बीएचयू छात्रा विभा यादव को 25-25 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया।

चीफ प्रॉक्टर बीएचयू ने लंका थाने में 11 जनवरी 2025 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि बीएचयू सेंट्रल लाइब्रेरी में विगत कई दिनों से एक लड़की ने कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है, घटना सीसीटीवी में कैद है। विद्यार्थियों ने उसे

छेड़खानी और मारपीट मामले में अग्रिम जमानत

वाराणसी। छेड़खानी और पीड़िता के घर में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ मामले में आरोपी आलोक सिंह को कोर्ट से राहत मिली है। अपर जिला जज (सफ़्तम) विनोद कुमार की कोर्ट ने गंजारी, जंसा निवासी आलोक सिंह को गिरफ्तारी की दशा में एक-एक लाख रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर अग्रिम जमानत पर रिहा का आदेश दिया है। ब्यूरो

रंगेहाथ पकड़ा तो कई सामान बरामद हुए हैं। लंका पुलिस ने छात्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। 12 को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया था। ब्यूरो

छात्रा को मिली जमानत⁴

वाराणसी। बीएचयू सेंट्रल लाइब्रेरी से विद्यार्थियों के लैपटॉप, मोबाइल व पर्स आदि समान चोरी व बरामदगी के मामले में बीएचयू की छात्रा को कोर्ट से राहत मिल गई। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (तृतीय) नीरज कुमार

विद्यार्थियों के

लैपटॉप, मोबाइल व

पर्स आदि समान

बरामदगी का मामला

त्रिपाठी की अदालत ने आरोपित छात्रा विभा यादव को 25-25 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव व रोहित यादव ने पक्ष रखा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार मुख्य आरक्षाधिकारी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने लंका थाने में 11 जनवरी 2025 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि बीएचयू सेंट्रल लाइब्रेरी में विगत कई दिनों से एक अज्ञात लड़की द्वारा कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। जो कि टोपी व मास्क लगा कर इधर-उधर घूमते हुए कई बार विद्यार्थियों के महंगे सामान उठाते हुए सीसीटीवी में देखी गई है। उक्त सामान व सीसीटीवी फुटेज सहित विश्वविद्यालय के प्रोक्टर कार्यालय में जमा किए हुए हैं। इसके संबंध में विद्यार्थियों ने भी थाने में भी कई बार शिकायत की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपित छात्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर 12 जनवरी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था।

बीएचयू छात्रा को मिली जमानत

बीएचयू सेंट्रल लाइब्रेरी से विद्यार्थियों के लैपटॉप, मोबाइल एवं पर्स आदि समान चोरी एवं बरामदगी के मामले में बीएचयू की छात्रा को कोर्ट से राहत मिल गयी। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (तृतीय) नीरज कुमार त्रिपाठी की अदालत ने आरोपित छात्रा विभा यादव को 25-25 हजार रुपये की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव एवं रोहित यादव ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार मुख्य आरक्षाधिकारी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने लंका थाने में 11 जनवरी 2025 को प्राथमिकी दर्ज करायी थी। आरोप था कि बीएचयू सेंट्रल लाइब्रेरी में विगत कई दिनों से एक अज्ञात लड़की द्वारा कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। जो कि टोपी एवं मास्क लगा कर इधर-उधर घूमते हुए कई बार विद्यार्थियों के महंगे सामान उठाते हुए सीसीटीवी में देखी गयी है। विद्यार्थियों के महंगे सामान जैसे लैपटॉप, टैब, एयरफोन, बैग इत्यादि इसने उठाये है। आज विद्यार्थियों द्वारा इसको रंगहाथ पकड़े जाने पर इसके कब्जे से कई सामान बरामद हुए हैं। उक्त सामान एवं सीसीटीवी फुटेज सहित विश्वविद्यालय के प्रोक्टर कार्यालय में जमा किये हुए हैं। ³

वाराणसी की हर लाइब्रेरी में कुछ खास बात

SPECIAL

वाराणसी की लाइब्रेरी में
डिजिटल से लेकर हर तरह
का हुक है मौजूद

आईटी कॉलेज, बीएचयू,
संपूर्णानंद, नगरी प्रशिक्षण की
लाइब्रेरी में लगती है मीड

varanasi@next.co.in

VARANASI (15 Jan): शिव नगरी काशी में ज्ञान का भंडार है। यही कारण है कि, पहाड़ के लिए लाखों स्टूडेंट्स की पहली पसंद बन गई है। यहां की हर एक लाइब्रेरी की भी अपनी खास बात है। कई लाइब्रेरी

ने खुद को नए समय के साथ बदल लिया तो कई डिजिटलाइजेशन को तफ बंद नहीं की। वहीं कई अब तक पुराने ग्रंथों को संजो कर रखी हुई हैं और अपने ज्ञान से स्टूडेंट्स का भविष्य संभाल रही हैं। वहीं आज आपकी खोजों की हर एक लाइब्रेरी की खासियत बताते हैं।

1 बीएचयू की लाइब्रेरी एशिया में सबसे बड़ी



काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रयालय में 700 सीटों का विस्तार अभी कुछ समय पहले किया गया है, जिससे अब इसकी क्षमता तीन गुना बढ़ गई है। नए भवन में भूतल और पांच मंजिलों पर 30,000 पुस्तकों के लिए स्थान भी उपलब्ध हुआ है। इनके अलावा पुस्तकालय के तीन प्रमुख

अनुभागों— नकलीकी, पत्रिका और बंद अनुभाग को भी यहां स्थानांतरित किया जाएगा। यह पुस्तकालय प्रतिदिन 6000 से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा उपयोग किया जाता है। इसमें 15 लाख से अधिक पुस्तकें, 90,000 ई-पुस्तकें और 17,000 से अधिक शोध पत्र हैं। साइबर लाइब्रेरी अब हर रोज सुबह 8 बजे से अगले दिन सुबह 5 बजे तक खुली रहती है, जबकि पहले यह 15 घंटे खुली थी। केंद्रीय पुस्तकालय में आपूर्तिक सुविधाओं का विकास भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ईस्टस्ट्रट्रान ऑफ एग्जिस्टेंस योजना के तहत किया जा रहा है। पुस्तकालयस्थलों को जोड़ने के लिए नया बायोचैप के इस लाइब्रेरी में 16 लाख से अधिक पुस्तकों का अनोखा खजाना मौजूद है, जिसमें 14 से 16वीं सदी की पांडुलिपियां, ताइपत्र, 18 वीं सदी के तुलुंग अभिलेख के अलावा गवर्नमेंट डॉक्यूमेंट और जोधपत्रों की लंबी फेहरिस्त है।

1917 में हुई थी लाइब्रेरी की स्थापना

विश्वविद्यालय के वर्तमान सेंट्रल लाइब्रेरी के भवन का निर्माण 1941 में हुआ था, लेकिन इसकी स्थापना 1917 में की गई थी। ये लाइब्रेरी बीएचयू केमस के बजाय सेंट्रल हिन्दू स्कूल केमस में थी। 1921 में इसका स्थान बदलकर आर्ट्स फकल्टी के सेंट्रल हॉल में किया गया था। नवामना पॉपुलर मॉडन मालवीय 1931

में लंदन में आयोजित राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में शामिल होकर भारत लौटे तो उन्होंने विश्वविद्यालय में वैसी ही लाइब्रेरी की स्थापना करने की परिकल्पना की और फिर उन्होंने इसके लिए महाराष्ट्र के बहीदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ से इसकी लिए आर्थिक मदद मांगी और विश्वविद्यालय में इस आलीशान लाइब्रेरी का निर्माण कराया।

2 आइपीएस तक के एग्जाम किए पास

राजकीय लाइब्रेरी ने समय के साथ टेक्नॉलॉजी को भी अपनाया है और यह नए पढ़ाव करने में आइपीएस लेकर तक के एग्जाम को भी पास किया है। अभी इसे और बेहतर करने की तैयारी चल रही है, सरकार की हालत से अब यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राई को भी तैयारी का स्थान है। उनके लिए 150 से अधिक पुस्तकें मार्गदर्शक हैं। पुस्तकालय अलग-अलग विषयों में बंटा है। एलटी कॉलेज परिसर में 1968 में शेरार राजकीय लाइब्रेरी में आजादी के पहले से लेकर आधुनिक तक की पुस्तकें हैं। यहां साहित्य, कानून, नैतिक, प्रतियोगी परीक्षा के अलावा इंजीनियरिंग, मेडिकल सहित अन्य कई विषयों की 40 हजार पुस्तकें हैं।



1500 सदस्य

इस लाइब्रेरी में 1500 सदस्य हैं, लाइब्रेरी में 8 दुर्लभ पांडुलिपियां हैं जो दान में मिली थीं। इसके अलावा 1958 के पहले की दुर्लभ पुस्तक भी मौजूद है। पूरे जन्मद में यह एक सरकारी लाइब्रेरी है, जो सुबह 8 से शाम 8 बजे तक खुली रहती है। इस लाइब्रेरी में जुड़ने के लिए मात्र 500 रुपये देना होता है। यहां दो बड़े हॉल हैं। इसमें कैमरा लगा हुआ है और बैठने के लिए 250 सीटें उपलब्ध हैं।



बीएचयू लाइब्रेरी में पढ़ने स्टूडेंट्स

3 अधिक ओल्ड पांडुलिपियों की डिमांड



1,11,132 पांडुलिपियां हैं उपलब्ध

लाइब्रेरी में एक लाख 11 हजार 132 पांडुलिपियां लाल पोतली में सहेज कर रखी गई हैं। सरस्वती भवन के मुद्रित प्रचार में तीन लाख से अधिक ग्रंथ सहेज कर रखे हुए हैं। 1500 दुर्लभ पुस्तकें भी शामिल हैं, जो 100 से 200 वर्ष पुरानी हैं। इसमें वेद, कर्मकांड, वेदांग, सांख्ययोग,

धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, मंत्रांश, ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण व आयुर्वेद संबंधित दुर्लभ ग्रंथ भी सहेज कर रखे गए हैं। विश्वविद्यालय के पूर्व कक्ष, बनारस के तत्कालीन रेजीडेंट द्वारा 1791 ई. में स्थापित संस्कृत पाठशाला के साथ ही विश्वविद्यालय के इस विश्वप्रसिद्ध सरस्वती भवन पुस्तकालय की भी स्थापना हुई थी।

4 130 साल पुरानी है ये लाइब्रेरी

काशी के सबसे पुराने आर्यभट्टा पुस्तकालय की इमारत 130 साल पुरानी है। नगरी प्रशिक्षण की आर्यभट्टा पुस्तकालय का शाला दान महीने बाद कोट के रिटर्न पर कुछ महीने पहले ही खोला गया है। दरअसल, यहां भाषा साहित्य का एक अद्भुत संग्रहालय है। इनमें से का इतना बड़ा संग्रह कहीं नहीं है। अनुपम दुर्लभ ग्रंथ भी कहीं मिलना मुश्किल है। अभी सदी जमाने तक रिटर्न के जमाने में डिजिटल करने की योजना है।

को प्रदान करते रहे थे। 1893 में स्थापित इस संस्था ने 50 साल तक इस्तेमाल किया। ग्रंथों की खोज का अधिपत्य बनाया। 25 लाख पुस्तकें 50 हजार पांडुलिपियों का ताला खोला। अब पांडुलिपियों के संरक्षण डिजिटलाइजेशन के साथ ही उनका छांटबेस तैयार करने का निर्णय लिया गया है। इसकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन को मिली है। पहले चरण में 30 लोगों का चयन कर उन्हें पांडुलिपि-संरक्षण में प्रशिक्षण दिया जाएगा।



सभा में ही बनेगी पांडुलिपि लैब

सभा में ही एक पांडुलिपि लैब बनेगी। पांडुलिपियों में सी बर्ष से अधिक के प्राचीन साहित्य, पत्रिकाएं इस्तेमाल करने लायक हैं। सबसे महत्वपूर्ण सभा की पत्रिका सरस्वती के लिए लिखे गए स्वीकृत व अस्वीकृत लेख, कदाचित्, कांतिपुर हैं। इसे आधार महावीर प्रसाद ने जुड़े के नाम से संग्रहित किया था और सभा की दान दिया था। जयचंकर प्रसाद, सुर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुश्री प्रेमचंद, अचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंद दुलारे काकणे, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, चंद्रशेखर शर्मा गुलेरी को रचनाएं प्रमुख हैं।

<p>राजनारायण सिंह पुस्तकालय में स्टूडेंट्स के लिए सभी विषय की पुस्तकें उपलब्ध हैं, पर उसके बाद भी वह सबसे ज्यादा पांडुलिपियां और अन्य ग्रंथ पढ़ना पसंद करते हैं। राजनारायण सिंह, पुस्तकालय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय</p>	<p>डॉ. सिंह पुस्तकालय में प्रतिदिन 6000 से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा उपयोग किया जाता है। इसमें 15 लाख से अधिक पुस्तकें, 90,000 ई-पुस्तकें, और 17,000 से अधिक शोध पत्र हैं। डॉ. सिंह, पुस्तकालय, बीएचयू लाइब्रेरी</p>	<p>डॉ. सिंह इतना बड़ा संग्रह कहीं नहीं है। अनुपम दुर्लभ ग्रंथ भी कहीं मिलना मुश्किल है। डॉ. सिंह, पुस्तकालय, बीएचयू लाइब्रेरी</p>	<p>डॉ. सिंह इतना बड़ा संग्रह कहीं नहीं है। अनुपम दुर्लभ ग्रंथ भी कहीं मिलना मुश्किल है। डॉ. सिंह, पुस्तकालय, बीएचयू लाइब्रेरी</p>
--	---	--	--

प्रवेश पोर्टल से होंगे स्पेशल कोर्स में दाखिले

56 विशेष कोर्स की प्रवेश प्रक्रिया में देरी, लर्निंग स्पाइरल कंपनी बनाएगी पोर्टल प्रोग्राम

संवाग सिंह • जागरण



- अभी तक लोकेशनल कोर्स के लिए मंगाते हैं फार्म, विभाग के बजाय किए जाते आनलाइन जमा
- अब कोई फार्म नहीं भेजेंगे जबकि पोर्टल से विभागों को भेजी जाएगी अभ्यर्थियों की समग्र सूची

वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए कई नए कदम उठा रहा है। स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की तरह अब स्पेशल कोर्स (विशेष पाठ्यक्रम) में प्रवेश की प्रक्रिया विवि के एडमिशन पोर्टल के जरिए ही पूरी की जाएगी। नए शैक्षणिक सत्र से यह व्यवस्था अभ्यर्थियों और विभागों को उपलब्ध हो जाएगी। लर्निंग स्पाइरल कंपनी को पोर्टल का प्रोग्राम तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक सप्ताह में प्रोजेक्ट पूरा भी हो जाएगा। मैनुअल व्यवस्था काफी उलझाऊ है, यही वजह है कि 56 स्पेशल कोर्स के लिए दाखिले की प्रक्रिया छह माह विलंबित हो चुकी है। तीन महीने पहले कोर्स की बुलेटिन जारी होने के बाद भी आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि तय नहीं हो पा रही है। दाखिले को अंतिम रूप देने में कई तरह की मुश्किलें सामने आ रही हैं। विशेष पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया बेहद उलझाऊ है, अभी तक फार्म मंगाया जाता है। उन फार्मों को विभाग में मंगाने के बजाय आनलाइन जमा किया जाता है।

फार्म को डाउनलोड करने के बाद उन्हें विभागों को भेजते हैं। नियम से प्रवेश करना और फीस जमा करते हुए कोर्स के संचालन की जिम्मेदारी विभाग की होती है, लेकिन इस बार व्यवस्था बदली गई है। अब कोई

फार्म नहीं भेजा जाएगा। पोर्टल तैयार करेंगे और पोर्टल से ही सूची विभागों को भेजी जाएगी। इसके बाद विभाग मेरिट तैयार करने के बाद अंतिम सूची केंद्रीय प्रवेश समिति को भेजेगा। पोर्टल से ही अभ्यर्थियों को प्रवेश का आफर भेजा जाएगा। अभी तक व्यक्तिगत आफर भेजने की व्यवस्था दी गई है, लेकिन नए सिस्टम के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया बेहद आसान हो जाएगी। प्रक्रिया में अगर कोई गलती करता है तो उसे पकड़ा जा सकेगा और समय पर सुधार लिया जाएगा। कंपनी के प्रोग्रामर पोर्टल को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।

इन प्रमुख विशेष पाठ्यक्रमों की चल रही प्रवेश प्रक्रिया : भोजपुरी भाषा में प्रवीणता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (चार माह), पीजी डिप्लोमा इन

संकायवार स्पेशल कोर्स

संकाय	कोर्स
कला	09
एसवीडीवी	09
विजुअल आर्ट	09
आयुर्वेद	09
प्रबंध अध्ययन	05
सामाजिक विज्ञान	04
विधि	03
मेडिसिन	03
विज्ञान	03
दंत चिकित्सा विज्ञान	02

26 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित हुए प्रो. सिद्धार्थ सिंह

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू में पाली एवं बौद्ध अध्ययन के वरिष्ठ प्रोफेसर और वर्तमान में नव नालंदा महाविहार के कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह को राष्ट्रपति की तरफ से 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन में ऐट होम रिसेप्शन में आमंत्रित किया गया है। देश के चुनिंदा विवि के कुलपतियों, विद्वानों एवं शिक्षाविदों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

भोजपुरी अध्ययन (पार्ट टाइम), पर्यटन प्रबंधन में दो वर्षीय डिप्लोमा, कार्यालय प्रबंधन और व्यावसायिक संचार में दो वर्षीय डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा इन हिंदी पत्रकारिता समय (पूर्णकालिक), डिप्लोमा पत्रकारिता जनसंचार, भारतीय दर्शन और धर्म में (दो सेमेस्टर) पीजी, विविध योग्यताओं के लिए अनुवाद कौशल में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा, विविध योग्यताओं के लिए अनुवाद कौशल में एक वर्षीय पीजी, जर्मन भाषा में एक वर्षीय यूजी सर्टिफिकेट, फोरेंसिक विज्ञान और चिकित्सा न्यायशास्त्र में पीजी, टैक्स मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा, मानव संसाधन प्रबंधन, सेवा और औद्योगिक कानून में पीजी डिप्लोमा, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में सर्टिफिकेट (छह माह), माइक्रोफाइनेंस और उद्यमिता में

डिप्लोमा (एक वर्षीय), माइक्रोफाइनेंस और उद्यमिता में डिप्लोमा (एक वर्षीय), अवकाश एवं आतिथ्य प्रबंधन में डिप्लोमा (एक वर्षीय), पीजी डिप्लोमा इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एक वर्षीय), लैब टेक्नोलॉजी में दो वर्षीय पीजी, डायलिसिस थेरेपी में दो वर्षीय पीजी, मेडिकल टेक्नोलॉजी (रेडियोथेरेपी) में दो वर्षीय पीजी डिप्लोमा, पंचकर्म चिकित्सा में दो वर्षीय पीजी डिप्लोमा, नवजात शिशु एवं शिशु देखभाल में दो वर्षीय पीजी डिप्लोमा, रेडियो डायग्नोसिस और इमेजिंग में पीजी डिप्लोमा कोर्स, दो वर्षीय पीजी संज्ञाहरण में डिप्लोमा, आयुर्वेदिक दर्द प्रबंधन में एक वर्षीय सर्टिफिकेट और सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रसव विज्ञान समेत 56 कोर्सेज।

सामान्य फिजियोथेरेपी तकनीकों व खान-पान से टंड में बचा जा सकता हृदयाघात व रोगों से



स्वस्थ समाज

फिजियोथेरेपी केवल चोटों के इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हृदय, श्वसन, मधुमेह और अन्य बीमारियों के प्रबंधन और रोकथाम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह न केवल शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाता है, बल्कि रोगों की जटिलताओं को कम करने और जीवनशैली सुधारने में भी मदद करता है। काडियक रिहबिलिटेशन फिजियोथेरेपी का एक महत्वपूर्ण उपशाखा है जिसमें फिजियोथेरेपिस्ट मरीज के हृदय की क्षमता के अनुसार व्यायाम विधि द्वारा रोग का निदान किया जाता है। इस बारे में जानकारी दे रहे हैं वीरवर्णू आइम्पारस के असिस्टेंट प्रोफेसर **डा. एसएस पांडेय**...



बारणसी : सर्दियों का मौसम श्वसन, हृदय और मधुमेह के मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है। यदि कोई हृदय, श्वास रोग तथा मधुमेह तीनों बीमारियों से ग्रसित है तो उसे हृदयाघात का खतरा अधिक होता है। अतिरिक्त प्रोफेसर **डा. एसएस पांडेय**...

कार्डियक फिजियोथेरेपी की कुछ सामान्य तकनीकें

- **परिकल्पित व्यायाम** : तेज चलना, साइकिल और तैराकी जैसे व्यायाम हृदय को मजबूत बनाते हैं और रक्त प्रवाह में सुधार करते हैं।
- **रेसिस्टेंस ट्रेनिंग** : हल्के वजन के साथ व्यायाम करने से मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है और हृदय को सहारा मिलता है।
- **मस्केलबिलिटी** : फ्लैक्सिबिलिटी प्रोफेसर साइज : स्ट्रेचिंग और योग जैसे व्यायाम शरीर की लचीलापन बढ़ाते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।
- **ब्रॉन्कोइलेटर तकनीक** : यह तकनीक फेफड़ों में आक्सीजन प्रवाह सुधारे और सांस लेने की क्षमता बढ़ाने में मदद करती है।
- **इयुक्रामेटिक बीटिंग** : इस तकनीक से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और आक्सीजन का बेहतर उपयोग होता है।
- **पर्स-लिफ्ट बीटिंग** : धीमी और नियंत्रित सांस लेने की तकनीक, जो सांस फूलने की समस्या को कम करती है।
- **पोस्टुरल ड्रेनेज** : बलगम और फेफड़ों में जमा गंदगी को साफ करने के लिए मरीज को विशेष स्थिति में रखा जाता है।
- **परल्यूशन और वाइब्रेशन** : फेफड़ों में जमा बलगम को ढीला करने के लिए छाती पर हल्की थाप दी जाती है।
- **इंस्टीट्यूट स्पायरोमीटर** : फेफड़ों को मजबूत करने और श्वसन दर को नियंत्रित करने के लिए प्रयोग किया जाता है।



डा. एसएस पांडेय

हृदय और स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के लिए बदलें दिनचर्या

- टंड में सुबह जल्दी उठने से हृदय पर दबाव बढ़ सकता है, इसलिए एकदम झटके से अपना बिस्तर न छोड़ें।
- गर्म कपड़े पहनें, गले और सिर को ढंक कर रखें।
- नियमित व्यायाम, योग, स्ट्रेचिंग और तेज चलना (ब्रिस्क वॉक) शरीर को गर्म और सक्रिय रखने में मदद करता है। अत्यधिक टंड में बाहर व्यायाम न करें।
- तालू मौसमी फ्लू और सर्दियों में तनाव और मास्क पहनें।
- सर्दियों (जैसे संतरा, गाजर, पालक) खाएं। गर्म और पोष्टिक आहार जैसे सूप, दही, और सूखे मेवे को शामिल करें। अधिक वसा और तला-भुना खाने से बचें।
- टंड में व्यास कम लगती है, लेकिन शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी है। गर्म पानी या हर्बल टी का सेवन करें।
- सर्दी-जुकाम से बचाव करें, हाथों को बार-बार धोएं और सफाई से बचने के लिए मास्क-सफाई का ध्यान रखें।
- विटामिन डी के लिए धूप में कुछ समय बिताएं।
- सर्दियों में तनाव और मास्क पहनें।

हृदयरोगी कौं परहेज :

- अल्कोहल, कस्टर्ड से दूरी बनाएं।
- प्राइड और वेक प्रोडक्ट्स जैसे चिप्स, कुकीज, मर्फीन और केक से बचें।
- खाने में नमक न के बराबर दें।
- कैम और प्रोजेन सब्जियों का सेवन न करें।
- रिफाइंड आमत का सेवन न करें।
- पिजा, बर्गर, हाट ड्राम जैसे जंक फूड न खाएं।

प्रस्तुति :- शैलेषा अस्थाना

ब्लड प्रेशर घटने-बढ़ने से बीमार हो रहे हैं बुजुर्ग

स्वास्थ्य

वाराणसी, कार्यालय संपादकता। ठंड बढ़ने के साथ बुजुर्गों में ब्लड प्रेशर बढ़ने की समस्या भी हो रही है। ऐसे में उन्हें ब्रेन हेमरेज, लकवा, किडनी, हार्ट, सांस और लीवर में से कोई न कोई एक समस्या हो रही है। बीएचयू और मंडलीय अस्पताल की जीरियाट्रिक विभाग में आने वाले बीपी के मरीजों की दवा की डोज चिकित्सक बढ़ा रहे हैं।

बीएचयू के जीरियाट्रिक विभाग की ओपीडी में इस समय 150 से अधिक और मंडलीय अस्पताल में 50 से 60 बुजुर्ग परामर्श के लिए आ रहे हैं। बीएचयू के कॉर्डियोलॉजी विभाग में इस समय हर रोज 15 से 20 हार्ट अटैक के मरीज पहुंच रहे हैं। इसमें आधे से ज्यादा बुजुर्ग हैं। न्यूरोलॉजी

ठंड में ये बरतें सजगता

- मौसम को ध्यान में रखकर व्यायाम के लिए बाहर निकलें।
- पौष्टिक भोजन लें, ठंडे खाने का सेवन न करें।
- नशे से दूरी बनाएं, शराब का सेवन नहीं करें।
- बीपी के मरीज हैं तो डॉक्टर के परामर्श पर दवा लें।

इन लक्षण को नहीं करें इग्नोर

- सीने में दर्द हो तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।
- ठंड में अचानक से पसीना आना और सांस भी तेजी से फूलना।
- शरीर के अन्य अंगों में भी धीरे-धीरे दर्द होना।
- जबड़ों और कान के दर्द को भी नजर अंदाज न करें।



विभाग में आने वाले ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों में 60 फीसदी से अधिक बुजुर्ग हैं। बीएचयू के जीरियाट्रिक विभाग के प्रो. एसएस चक्रवर्ती ने कहा कि ठंड में धमनियों के सिकुड़ने से शरीर में खून की आपूर्ति करने के लिए हृदय को अतिरिक्त दबाव का सामना करना

पड़ता है। इससे हार्ट और ब्रेन पर असर हो रहा है।

गर्मी वाली डोज सर्दी में न खाएं: मंडलीय अस्पताल के जीरियाट्रिक विशेषज्ञ डॉ. आरएन सिंह ने कहा कि जिन लोगों को ब्लड प्रेशर की समस्या है और वह अभी भी गर्मी के मौसम में

निर्धारित की गई दवा की खुराक का सेवन कर रहे हैं, उन्हें विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। गर्मी वाली बीपी की दवा सर्दी में खाने से दिल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। स्ट्रोक व हार्ट अटैक की संभावना बन सकती है।

कोल्ड डायरिया की चपेट में बच्चे: ठंड के कारण बच्चे भी बीमार हो रहे हैं। इस समय खांसी, बुखार, नाक बहना, पतली दस्त हो रही है। मंडलीय अस्पताल के बाल रोग विभाग ओपीडी में इस समय हर रोज सौ से अधिक बच्चे इलाज के लिए आ रहे हैं। वहीं यही स्थिति पांडेयपुर स्थित जिला अस्पताल की है। मंडलीय अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सीपी गुप्ता ने कहा कि बच्चों में कोल्ड डायरिया की समस्या देखी जा रही है। सुबह बच्चे को बाहर लेकर न निकलें। रात में नवजात का डायपर जरूर बदलें।

भारतीय उपन्यास यूरोप की देन नहीं, देवकीनंदन ने इसे तिलिस्म की ओर मोड़ा

प्रो. दिलीप सिंह ने कहा - पं. विद्या निवास मानते थे, क्या कहा जाए इससे ज्यादा जरूरी है कि कैसे कहा जाए

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू के प्रो. गोबिंदु मिश्र ने कहा कि पं. विद्यानिवास मिश्र सतत प्रवाह शील भारतीय चिंतन परंपरा के संवाहक थे। नारी, समाज और सभ्यता इन तीनों मामले में पं. विद्यानिवास ने लेखन किया है। उनकी इस चिंतन धारा की प्रासंगिकता को समझना चाहिए।

वह धर्मसिंधु भवन दुर्गाकुंड में पंडित विद्यानिवास मिश्र के 100वें जन्मदिवस समारोह के दूसरे दिन हिंदी उपन्यासों की कथा भूमि पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

साहित्यकार प्रो. दिलीप सिंह ने कहा



धर्मसिंधु में पं. विद्यानिवास मिश्र के 100वें जन्मदिवस समारोह में मौजूद अतिथि। क्लब

कि हिंदी उपन्यासों की विकास यात्रा की शुरुआत में कुछ रचनाएं सामयिक प्रश्नों और सामाजिक संस्कारों पर केंद्रित थीं, लेकिन बाद में देवकीनंदन खत्री ने इसे तिलिस्म की तरफ मोड़ दिया। उन्होंने बताया कि विद्यानिवास क्या कहा जाए,

इससे ज्यादा जरूरी है कि कैसे कहा जाए इस पर भारोसा करते थे। उन्होंने बताया कि रचना विधान के तीन घटक होते हैं। कंटेन्ट, रूप तत्व और चेतना।

इस दौरान बीएचयू के हिंदी विभाग के प्रो. प्रभाकर सिंह ने कहा कि भारतीय उपन्यास लेखन में उपनिवेशवाद का सीधा प्रभाव पड़ा है लेकिन यह कह देना कि उपन्यास यूरोप की देन है यह सही नहीं है।

साहित्यकार डॉ. नीरजा माधव ने कहा कि शुरुआत के हिंदी उपन्यासों में स्त्री चित्रण पुरुषवादी मानसिकता की अभिव्यक्ति है। प्रेमचंद को स्त्री सुधार के चित्रण का सबसे बड़ा प्रवक्ता माना जाता है। नई पीढ़ी में स्वतंत्रता के नाम पर

स्वछंदता चिंता का विषय है। इसी से उनकी सांस्कृतिक चेतना शून्य हो रही है।

पूर्वोत्तर की समस्याओं पर लिखे गए 22 उपन्यास : नई दिल्ली से आए भारतीय गोरे ने कहा कि माध्य वर्ग के आंतरिक संघर्ष को समझने के लिए यशपाल भगवती चरण वर्मा, अमृतलाल नंगर, गुरुदत्त, चतुर्सेन शास्त्री के उपन्यास को पढ़ना चाहिए। प्रो. भाषवर्द्ध पांडेय ने कहा कि पूर्वोत्तर की समस्याओं पर 22 उपन्यास लिखे गए हैं। बीएचयू की प्रो. सुमन जैन ने कहा कि 90 के दशक के बाद उपन्यासों में वर्तमान के दुखों की झलक आसानी से देखी जा सकती है। आज भी आर्थिक, विस्थापन, हिंसा पर्यावरण जैसी समस्याएं हैं।

धारा से विपरीत चलते थे पंडित जी : डॉ. मुक्ता

यूपी कॉलेज के प्रो. राम सुधार सिंह ने कहा कि उपन्यास के केंद्र में अक्सर मध्यम वर्ग की रहा है। मिर्जापुर से आई प्रो. वंदना मिश्रा ने कहा कि थर्ड जेडर को मानव हो नहीं समझा जाता है। उन्हें अधिकांश सुख सुविधाओं से वंचित कर दिया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. मुक्ता चुर्वेदी ने कहा कि पं. विद्यानिवास मिश्र ऐसे शिखर पुरुष थे जो धारा का रुख देखते हुए उसके विपरीत चलते थे। संचालन डॉ. धीरेंद्र नाथ और प्रो. निरंशुवर मिश्र अहिंसा मंच थे। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, विद्याश्री न्यास वाराणसी, साहित्य अकादमी नई दिल्ली, लालबहादूर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय चंडौली की ओर से किया गया।

एलएलसी टेन-10 के लिए तीन राज्यों के 500 क्रिकेटरों ने दिया ट्रायल 52



संवाद न्यूज एजेंसी

वाराणसी। फरवरी महीने में लखनऊ में होने वाली टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता एलएलसी टेन-10 के लिए बुधवार को बीएचयू के एंफीथियेटर मैदान में चयन ट्रायल हुआ। इसमें तीन राज्य यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश के 500 से अधिक क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया।

अमर उजाला और लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) की ओर से आयोजित एलएलसी टेन-10 क्रिकेट प्रतियोगिता में युवा क्रिकेटरों को राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा। इस लीग में युवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के बड़े अवसर



बीएचयू के एंफीथियेटर मैदान में ट्रायल देते खिलाड़ी। संवाद

कुल 12 टीमों लेंगी हिस्सा

प्रतियोगिता में वाराणसी सहित कुल 12 टीमों आगरा, नोएडा, झांसी, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, लखनऊ से दो टीम, मथुरा, मेरठ, गाजियाबाद की टीम हिस्सा लेंगी।

दिए जा रहे हैं। ट्रायल क्वालीफाई होने पर नीलामी के लिए चुने गए खिलाड़ियों का बेस प्राइज 25 हजार रुपये होगा, लीग खेलने वाले खिलाड़ी को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर ट्रायल देने का

मौका मिलेगा। लीग के उत्कृष्ट 9 खिलाड़ियों को एथर इलेक्ट्रिक बाइक इनाम में दी जाएगी। मैन ऑफ द सीरीज को एक कार पुरस्कार के रूप में मिलेगी। विजेता टीम को 10 लाख और



कंपनी लगातार खेल के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। हमने हमेशा से युवाओं की प्रतिभा को ध्यान में रखते हुए कई खेलों में युवाओं को प्रेरित किया है। इसी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए उत्कर्ष इस टेनिस बॉल क्रिकेट लीग को प्रमोट कर रहा है। जिसमें हम उत्तर प्रदेश के युवाओं का टीम से जुड़ने के लिए आह्वान करते हैं। - सुमन सौरभ, सीईओ और प्रबंध निदेशक, उत्कर्ष कोरेलवेस्ट लिमिटेड

उपविजेता टीम को 5 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। यानी प्रतिभावान खिलाड़ियों को लीग से नाम कमाने के साथ-साथ कार, बाइक और कैश प्राइज जीतने भी मौका मिलेगा।

बीएचयू : अंतर संकाय क्रिकेट आज से ⁷

वाराणसी। बीएचयू खेल परिषद की ओर से अंतर संकाय क्रिकेट प्रतियोगिता गुरुवार से शुरू होगी। प्रतियोगिता में 12 संकायों की टीमों

हिस्सा लेंगी।

22 जनवरी तक आयोजित टी-20 प्रतियोगिता का पहला मैच दृश्य कला संकाय और विधि संकाय के

बीच सुबह नौ बजे से होगा। दूसरा मैच प्रबंध संकाय और राजीव गांधी साउथ कैम्पस की टीम के बीच होगा।

अंतर संकाय टी-20 ⁵² क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

वाराणसी। बीएचयू खेल परिषद की ओर से बृहस्पतिवार को अंतर संकाय क्रिकेट प्रतियोगिता कराई जाएगी। प्रतियोगिता में 12 संकायों की टीमों हिस्सा लेंगी। 22 जनवरी तक आयोजित टी-20 प्रतियोगिता का पहला मैच दृश्य कला संकाय और विधि संकाय के बीच सुबह नौ बजे से होगा। दूसरा मैच प्रबंध संकाय और राजीव गांधी साउथ कैम्पस की टीम के बीच होगा। ये जानकारी बीएचयू खेल परिषद के महासचिव प्रो. बीसी कॉपरी ने दी। संवाद

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में बीएचयू की शुभांगी क्षितिजा ने प्रधानमंत्री के समक्ष दी प्रस्तुति

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में महिला महाविद्यालय की तृतीय वर्ष की छात्रा शुभांगी क्षितिजा सोरव ने 'विकास भी विरासत भी' विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी। 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव २०२५' के अंतर्गत विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग १० से १२ जनवरी तक भारतमंडपम, नयी दिल्ली में आयोजित किया गया। शुभांगी

का चयन प्रधानमंत्री के साथ विशेष चर्चा और लंच के लिए भी हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ अपने

भारतमंडपम् में विकास भी विरासत भी विषय पर प्रस्तुति

जीवन के अनुभव साझा किये। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब शुभांगी को युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा इस प्रतिष्ठित

आयोजन में भाग लेने के लिए चयनित किया गया। उनकी इस उपलब्धि ने बीएचयू का मान बढ़ाया है। शुभांगी की प्रस्तुति

भारत की समृद्ध, सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक विकास के बीच सामंजस्य पर आधारित थी। उन्होंने प्राचीन भारतीय

मूल्यों और आधुनिक प्रगति के संतुलन पर अपने विचार रखे। उनकी प्रस्तुति को काफी सराहना मिली। इससे पहले, शुभांगी ने नवम्बर में क्षेत्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में स्वर्ण पदक जीता था और मार्च में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव के लिए भी अर्हता प्राप्त की, जिसमें वे बीएचयू का प्रतिनिधित्व करेंगी।

कैनवास पर अमृत कलश, अक्षयवट⁵⁶ और गंगा अवतरण

वाराणसी। महाकुंभ में बीएचयू और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ सहित अन्य विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं की कला प्रतिभा भी दुनिया देखेगी। महाकुंभ मेले में लगी प्रदर्शनी में 300 से अधिक पेंटिंग और मूर्तियां शामिल की गई हैं। कैनवास पर यहां के छात्र-छात्राओं ने अमृत कल, स्वयंभू, विषपान करते भगवान शिव, गंगावतरण, नर-नारायण, समुद्र मंथन और संगम की तीनों नदियों को देवी के रूप में दर्शाया है।

उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला एकेडमी की ओर से महाकुंभ में अखिल भारतीय व राज्य स्तरीय प्रदर्शनी लगाई गई है। अखिल भारतीय प्रदर्शनी में देशभर से कुंभ और भारतीय संस्कृति पर आधारित पेंटिंग, पोस्टर, छायाचित्र और मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। एकेडमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि मेले में देशभर के विश्वविद्यालयों से 108 कलाकृतियों को शामिल किया गया है। वहीं, राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में भी 200 पेंटिंग, पोस्टर, छायाचित्र शामिल किए गए हैं।

डॉ. सुनील विश्वकर्मा के मुताबिक अखिल भारतीय प्रदर्शनी में बीएचयू की 15 और काशी विद्यापीठ की नौ पेंटिंग प्रदर्शित हैं। जबकि राज्य स्तर पर दोनों विश्वविद्यालय से करीब 100 कलाकृतियां शामिल की गई हैं। इसमें साधु, बनारस के घाट, गोवर्धनधारी श्रीकृष्ण, विषपान करते भगवान शिव, अक्षय वट का पूजन करते प्रभु श्रीराम व सीता को कैनवास पर उकेरा गया है। उन्होंने बताया कि इनमें से 10 चित्रों को 50-50 हजार रुपये व पांच को 20-20 हजार रुपये पुरस्कार राशि दी जाएगी। वहीं, 25 फरवरी को कलाकारों के लिए कार्यशाला भी होगी।

खानपान और विवाह परंपराएं भी: कलाकृतियों में भारतीय संस्कृति से जुड़ी परंपराओं को भी समेटा गया है। इसमें पूजा-पाठ के तरीके, परिवार में रहन-सहन, खानपान, विवाह से जुड़ी रीतियों व रिवाजों को भी दिखाया गया है। संवाद

‘जागृति’ के मुख्य अतिथि होंगे ले. जनरल डीपी पांडेय

वाराणसी, संवाददाता। आईआईटी बीएचयू के एनुअल सोशियो अवेयरनेस फेस्टिवल ‘जागृति’ में लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडेय मुख्य अतिथि होंगे। वह भारतीय सेना के सेवानिवृत्त हैं। 17 जनवरी से कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है।

देवेंद्र प्रताप पांडे को श्रीनगर स्थित चिनार कोर के जनरल-ऑफिसर-कमांडिंग के रूप में उनके बेहतर कार्यकाल के लिए उत्तम युद्ध सेवा पदक (यूवाईएसएम) से सम्मानित किया गया है। इसी दिन आईपीएस ऑफिसर अशोक कुमार आईआईटीयन से संवाद करेंगे। उन्होंने आतंकवाद विरोधी अभियानों का नेतृत्व किया है। इसके अलावा पुलिस बलों का आधुनिकीकरण, संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन 18 जनवरी को पूर्व



लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडेय।

आईएस और यूपीएससी कोचिंग संचालक डॉक्टर तनु जैन आईआईटीयंस को बेहतर करियर का मंत्र देंगी। तीसरे और आखिरी दिन इंडिया की टॉप मैथमेटिक्स की टीचर नेहा अग्रवाल कार्यक्रम में शामिल होंगी। एनुअल सोशियो अवेयरनेस फेस्टिवल जागृति की थीम आर्किटेक्चर्स सेपियंस है। तीन दिवसीय आयोजन में अलग अलग प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

‘जागृति’ के मुख्य अतिथि होंगे ले. जनरल डीपी पांडेय

वाराणसी, संवाददाता। आईआईटी बीएचयू के एनुअल सोशियो अवेयरनेस फेस्टिवल ‘जागृति’ में लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडेय मुख्य अतिथि होंगे। वह भारतीय सेना के सेवानिवृत्त हैं। 17 जनवरी से कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है।



लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडेय।

देवेंद्र प्रताप पांडे को श्रीनगर स्थित चिनार कोर के जनरल-ऑफिसर-कमांडिंग के रूप में उनके बेहतर कार्यकाल के लिए उत्तम युद्ध सेवा पदक (यूवाईएसएम) से सम्मानित किया गया है। इसी दिन आईपीएस ऑफिसर अशोक कुमार आईआईटीयन से संवाद करेंगे। उन्होंने आतंकवाद विरोधी अभियानों का नेतृत्व किया है। इसके अलावा पुलिस बलों का आधुनिकीकरण, संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन 18 जनवरी को पूर्व

आईएस और यूपीएससी कोचिंग संचालक डॉक्टर तनु जैन आईआईटीयंस को बेहतर करियर का मंत्र देंगी। तीसरे और आखिरी दिन इंडिया की टॉप मैथमेटिक्स की टीचर नेहा अग्रवाल कार्यक्रम में शामिल होंगी। एनुअल सोशियो अवेयरनेस फेस्टिवल जागृति की थीम आर्किटेक्चर्स सेपियंस है। तीन दिवसीय आयोजन में अलग अलग प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

संस्कृति प्रवाह : द कल्चरल हेरिटेज की थीम पर आईआईटी-बीएचयू की काशी यात्रा होगी 52

वाराणसी। आईआईटी-बीएचयू के सोशियो-कल्चरल इवेंट काशी यात्रा-55 की थीम जारी कर दी गई है। संस्कृति प्रवाह : द कल्चरल हेरिटेज की थीम पर काशी यात्रा के 60 से ज्यादा इवेंट्स होंगे। काशी यात्रा की टीम ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम के ऑफिशियल एकाउंट से थीम और संदेश दोनों जारी किए हैं।

आईआईटी-बीएचयू के छात्र और छात्राओं ने कहा कि संस्कृति प्रवाह सिर्फ अपने इतिहास की ही गवाही नहीं देगा, बल्कि भविष्य को तय करने का एक दृष्टिकोण भी देगा। ये एक ऐसी आध्यात्मिक यात्रा है, जो कि संस्कृति, मानवता और दिव्यता के बीच एक लौकिक संबंधों को जोड़ेगा।

काशीयात्रा का आयोजन 7 से 9 मार्च के बीच पूरे आईआईटी-बीएचयू कैंपस में होगा। उत्तर भारत के सबसे बड़े कल्चरल इवेंट के तौर पर जाना जाता है। पिछले साल अक्टूबर में एडीवी ग्राउंड पर 2025 काशीयात्रा के लिए बॉलीवुड नाइट की थीम लॉन्चिंग हुई थी। इसमें साहित्य, म्यूजिक और कलाकारों का तीन दिनों तक समागम होता है। कुल 360 से ज्यादा कॉलेज प्रतिभागी और 70 हजार से ज्यादा ऑडियंस और छात्र-छात्रा जटते हैं। व्यरो

03

दिन में 60 से ज्यादा इवेंट्स, 7 से 9 मार्च के बीच अध्यात्म और आधुनिकता को एक सूत्र में पिरोएंगे टेक्नोक्रेट्स

लेखन कला को विद्यार्थी देंगे धार

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में पीएचडी करने वाले शोधार्थी छात्रों को बेहतर लेखन शैली के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। 27 से लेकर 31 जनवरी के बीच कुल पांच दिन तक निःशुल्क कार्यशाला चलेगी। रजिस्ट्रेशन भी बिल्कुल मुफ्त होगा। कार्यशाला में पांच दिनों के प्रशिक्षण में पीएचडी छात्र और छात्राओं को शोध से जुड़े आवश्यक उपकरणों और जरूरतों से लेस किया जाएगा। कार्यक्रम आईआईटी बीएचयू के एनी बेसेंट लेक्चर थियेटर में किया जाएगा। वर्कशॉप में अनुसंधान संगठन, क्रिटिकल थिंकिंग और एनालिसिस, एकेडमिक की लेखन शैली, संपादन और प्रूफरीडिंग, डेटा और विजुअल प्रजेंटेशन की तकनीक को प्रजेंटेशन के साथ समझाया जाएगा। कार्यक्रम का समन्वयक ह्यूमैनिटिज स्टडीज विभाग के प्रो. अजीत कुमार मिश्रा और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डा. श्याम कमल को बनाया गया है। वर्कशॉप का आयोजन संस्थान के सेंटर फॉर डेवलपमेंट एंड एजुकेशनल टेक्नोलॉजी की ओर से कराया जा रहा है। इस कार्यशाला से विद्यार्थियों को काफी लाभ मिलेगा।

4

आधुनिकता के साथ सांस्कृतिक जड़ों को भी सम्मान देंगे

आईआईटी-बीएचयू के टेक्नोसेवी ने थीम पोस्ट करने के बाद अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक मेसेज भी दिया। लिखा- ये थीम बताती है कि हमारी संस्कृति, प्राचीन काल से वर्तमान तक बहने वाली किसी पवित्र नदी की तरह है। हमें गढ़ने वाली परंपराओं और आगे बढ़ाने वाले नवाचारों को श्रेय देना ही होगा। थीम लॉन्चिंग के लिए मकर संक्रांति का ही दिन चुना गया। हमें अपने तकनीकी फील्ड में आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी सम्मान देना होगा। हम लोगों में से हर एक छात्र आने वाले कल की संस्कृति का पथ प्रदर्शक बनेगा। इसके लिए एक्टिव होकर लगातार कर्म में लगे रहे।